मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक
जनवरी - 2019
वर्ष 7, अंक 4, पृ.सं. 20

NEVER RETIRED :

अधेड़ उम्र में सफल हस्तियों की रोचक कहानियाँ

अभिनेत्री सुहासिनी मुले

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुल सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

मुखपृष्ठ फोटो
www.bollywoodshaadis.com

तारांशु - वर्ष 7, अंक - 4, जनवरी - 2019

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 :	04
लेख 2 :	05
आवरण कथा : अधेड़ उम्र में सफल हस्तियों की रोचक कहानियाँ	06-08
ढलती उम्र के लोगों हेतु ज़रूरी बातें	09
आनन्द वृद्धाश्रम / मस्ती की पाठशाला	10
तारा नेत्रालय / तारा नेत्रालय की एक और यूनिट रतलाम (म.प्र.) में	11
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल - उदयपुर : वार्षिकोत्सव - 2018	12-13
गौरी योजना / तृप्ति योजना	14
न्यूज ब्रीफ	15
विनम्र अपील / विशेष शिविर	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन / स्वागत सम्मान	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव''
तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में,
साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

एक पत्र दानदाताओं के नाम

आप सभी आदरणीय को प्रणाम

आप में से बहुत ही कम महानुभाव हैं जिनसे मैं मिल पाई हूँ लेकिन तारांशु एक ऐसा माध्यम है जिससे आप सब से संवाद हो जाता है और आप सब भी पत्रों के माध्यम से अपने हृदय के उद्‌गार हमें भेजते रहते हैं जिससे आपकी भावना भी हम तक पहुँचती है। तारांशु के इस आर्टिकल में सामान्यतया तारा की कई गतिविधियों की चर्चा होती है लेकिन नया वर्ष शुरू हुआ और नये वर्ष के पहले पखवाड़े में दान का त्योहार (मकर संक्रांति) आता है तो इससे बेहतर अवसर क्या होता है दानदाताओं से बात करने का।

वैसे हमारी संस्कृति भी कितनी समृद्ध है कि दान के लिए भी एक शुभ दिन तय कर लिया कि भले ही साल भर आप दान करते हों या ना भी करते हों तो भी 14 जनवरी, 2019 को संक्रांति का यह दिन अपने को याद दिला ही देगा कि कुछ अच्छा भी कर लिया जाये। मुझे अच्छी तरह याद है जब हम छोटे बच्चे थे तो मम्मी इस दिन कुछ अनाज निकाल कर रख देती थी और घर के पुराने कपड़े भी जो संक्रांति के दिन ये बांटे जाते थे। ये सब भले साल में एक दिन होता था लेकिन बचपन में कोई बात की हो तो ताउम्र वो हमारे अवचेतन में रहती है और शायद इसी को संस्कार कहते हैं। सिर्फ हिन्दू ही नहीं हर धर्म में दान को बहुत अधिक अहमियत दी है तभी तो ''तारा'' या ''नारायण सेवा'' लगातार चल रही है। सालों साल से आप लोग धर्म, जाति, प्रांत, भाषा सभी सीमाओं से परे जाकर दान देते हैं।

कभी–कभी मैं दानदाताओं की मनःस्थिति समझने का यत्न करती हूँ, मन तो हमेशा गतिमान है और ये गतिमान मन अरमान या इच्छाएँ पैदा करता है और ये अरमान अनंत हो सकते हैं लेकिन आप सब इन अरमानों को विराम देकर अपनी मेहनत की कमाई में से कुछ निकालते हैं ऐसे लोगों के लिए जिनसे आपका कोई परिचय नहीं है और जैसा मैंने पहले भी कई बार कहा है कि ''तारा'' में बड़ा दान देने वाले थोड़े से दानदाता हैं। 80–85 प्रतिशत दान उन लोगों से आता है जो थोड़ा–थोड़ा दान देते हैं और बस बूँद–बूँद से घड़ा भर जाता है। आप सभी में परहित का संस्कार बचपन में ही डाला गया होगा तभी तो आप अपनी आवश्यकताओं को सीमित कर दान दे रहे हैं। आप में से कई महानुभाव तो साल में कई–कई बार सहयोग भेजते हैं मतलब आप के लिए संक्रांति तो कभी भी आ जाती है।

एक बात और, एक समय ऐसा था कि जब दान देने वाले बुजुर्ग होते थे लेकिन जमाना तेजी से बदला तो नेकी की प्रवृति भी नयी पीढ़ी में आई है हमारे यहाँ कई युवा जोड़े अपने छोटे–छोटे बच्चों को लेकर आते हैं और उन्हें देखकर बच्चों में भी तो भाव जगता ही होगा औरों के लिए कुछ करने का। कभी–कभी कोई युवा बच्चे अपने मम्मी–पापा की इच्छा पूरी करने को भी दान देते हैं और वो भी बेहद प्यार और सम्मान से तो मन गदगद होता है कि श्रवण कुमार अभी भी हैं।

मुझे नहीं पता कि मैं आप सबका धन्यवाद किन शब्दों में करूँ लेकिन आप सबकी उस भावना को मेरा प्रणाम जिसके वशीभूत आप ये सब करते हैं। वक्त जिस तरह बदल रहा है भारत में भी एक दिन ऐसा आएगा जरूर जब किसी को किसी के सहारे की जरूरत न होगी। सभी को सब सुविधाएँ उपलब्ध होंगी तब तक आप और हम मिलकर थोड़ा बदलाव लाते रहेंगे और हमारी ये जुगलबंदी खुशियाँ बाँटती रहेगी।

नया साल आप सबके लिए बहुत ही शुभ हो इसी कामना के साथ....

आदर सहित....

कल्पना गोयल

गुलाब बाग, उदयपुर में नववर्ष की सुबह

HAPPY NEW YEAR

1 जनवरी, 2019 वैसे तो सब कुछ सामान्य ही था लेकिन कैलेण्डर में बदलता हुआ साल दिल में थोड़ा उत्साह तो पैदा कर ही देता है, तो नये साल की नई सुबह में, मैं उठकर पास के गुलाब बाग में मॉर्निंग वॉक को निकला। मेरा रूटीन है कि लगभग एक घंटा रोज तेज कदमों से सैर करता हूँ। आज बाग में रौनक थोड़ी कम थी ठंड तो थी ही लेकिन रोज के परिचित चेहरे भी गायब थे जो कि स्वाभाविक भी था क्योंकि आने वाले साल का स्वागत लोग देर रात तक जाग कर करते हैं तो सुबह उठना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मैंने भी कोशिश की थी लेकिन रात 11.55 बजे तक ही जाग सका क्योंकि 31 दिसम्बर, 2018 को सुबह गाड़ी से रतलाम गया था और रात को ही लौटा था। हमारे रतलाम निवासी डोनर श्री ओ.सी. जैन सा. ने अपनी स्व. धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला जी की स्मृति में 8 दिवसीय कार्यक्रम रखे थे और समापन प्रसादी 31 दिसम्बर, 2018 को ही थी सो उनके निमंत्रण पर रतलाम जाना हुआ था।

उदयपुर वैसे तो झीलों की नगरी है लेकिन हमारा गुलाब बाग भी बागों का राजा है। इतने बड़े क्षेत्रफल में फैला बाग पेड़ पौधे इतने कि जंगल लगे। लेकिन आज बाग थोड़ा सूना था। वॉक करते हुए थोड़ा समय हुआ था कि सामने से एक युवक नजर आया छोटे कद का गोरा सा ये युवक रोज मिलता है उसके शरीर और मस्तिष्क में थोड़ी विकृति है जिसके कारण वो चल भी ढंग से नहीं पाता है लेकिन रोज वो निधारित दूरी के कई चक्कर लगाता है।

वो नवयुवक मेरे सामने से गुज़र रहा था तो एकदम ठिठका बड़ी सी मुस्कुराहट के साथ बोला हैप्पी न्यू ईयर। मैं चौक गया लेकिन मैंने भी उसी गर्मजोशी से हैप्पी न्यू ईयर कहा, मन में एक अजीब सी खुशी थी इतनी कि मैं बता ही नहीं सकता कोई अनजान सा व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के आपको Greet कर रहा है ये एहसास वाकई सुखद होता है। हम लोग पूरी जिन्दगी लोगों को शुभकामनाएँ देते हैं कोई हमारे अपने होते हैं कोई रिश्तेदार, कोई मित्र या कभी–कभी Professional रिश्तों के कारण या कभी तो मात्र खुशामद करने के लिए भी, लेकिन बिना किसी लेन देन की भावना के कुछ भी मिले तो उसकी क्या कीमत होती है ये उस एक मुस्कुराहट ने बता दिया।

उसी क्षण मन में एक विचार यह भी आया कि आप सब भी तो खुशियाँ दे रहे हैं उन लोगों को जिन्हें आप जानते तक नहीं जो आपको बदले में कुछ भी नहीं दे सकते हैं तो उन लोगों के मन में न जाने कितनी उमंगें उठती होंगी। आप सब के लिए न जाने कितनी दुआएँ देते होंगे वे, क्योंकि बिना जाने पहचाने आप उनकी जिन्दगी में बड़ा बदलाव ला रहे हैं इतना बड़ा कि कुछ बुजुर्ग जिन्हें बिलकुल दिखाई नहीं दे रहा था या कुछ जो बिलकुल बेसहारा थे उनका तो पूरा जीवन बदल दिया आपने।

उनके जीवन के अंतिम साल चैन से निकल रहे हैं। इसी तरह गौरी योजना से लाभांवित महिलाएँ उनकी मुट्ठी में आपने थोड़ी ही सही ताकत भर दी है।

ये जो बिना मतलब का देना है वो बहुमूल्य है थोड़ा या ज्यादा इसके मायने नहीं है लेकिन जिसे भी यह मिला उसकी खुशियाँ अपार हैं। नया साल आप सभी की झोली भी खुशियों से भर दे ऐसी ईश्वर से प्रार्थना है।

नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ....

दीपेश मित्तल

आवरण कथा :

अधेड़ उम्र में सफल हस्तियों की रोचक कहानियाँ - 1

कुछ लोग तब सबसे अच्छे से खिलते हैं, जब ज्यादातर का जीवन चुक गया होता है। एक ऐसी दुनिया जो हमें लगातार याद दिलाती है कि हमें एक निश्चित उम्र तक बेंचमार्क कैसे हासिल करना है। लेकिन ऐसे लोग भी हैं जो देर से ही सही अपने सपनों को साकार करना शुरू कर देते हैं जबकि परम्परा कहती है कि वे अब अपनी संतानों से वह हासिल करवाएं जो वे स्वयं नहीं कर पाए। लेकिन एक दृढ़ इच्छा शक्ति की बदौलत कुछ लोगों ने उन पारम्परिक धारणाओं को झुठला कर देर उम्र में ही सही लेकिन अपने सपनों को पंख दिए। आइये कुछ ऐसी शख्सियतों के बारे में जानते हैं।

गोरुर रामास्वामी गोपीनाथ, कर्नाटक के गोरुर नामक गाँव में पैदा हुए थे। उन्होंने गाँव के स्कूल के पश्चात् सैनिक स्कूल, बीजापुर में शिक्षा प्राप्त की। उनके पिता एक गरीब स्कूल शिक्षक और एक किसान के रूप में अच्छी तरह से जाने जाते थे। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और भारतीय सेना में कैप्टन रहे। **2003 में 51 की उम्र में कैप्टन जी. आर. गोपीनाथ भारत में कम लागत के हवाई यात्रा को आम लोगों तक लाने में अग्रणी रहे। वह कम लागत वाली एयरलाइन एयर डेक्कन के संस्थापक हैं।**

पॉल सिरोमणी को 90 साल की उम्र में पीएचडी से सम्मानित किया गया था और उन्होंने हमारे सपनों को पूरा न करने के हमारे बहानेबाजी के मिथक को पूर्णतः नकार दिया। इस आदमी ने यह साबित कर दिया कि उम्र कभी भी स्कूल न जाने का बहाना नहीं है। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने पाया कि उनके पास अपनी थीसिस लिखने के लिए पर्याप्त समय था। उन्होंने पीएचडी के लिए दाखिला लिया और हाल ही में उन्हें सम्मानित किया गया। उन्हें छह पत्र लिखने, कई संगोष्ठियों में भाग लेने और तीन लंबी परीक्षाएँ देनी पड़ीं।

नीरू गाँधी, मोनिका चानना और प्रतिभा साभरवाल नामक तीन उम्रदराज़ महिलाएँ हैं जो देश भर की यात्रा करने का अपना सपना पूरा कर रही हैं। 25 दिनों की अवधि में दिल्ली से गुजरात की उनकी यात्रा, इससे पहले वे 29 दिनों की अवधि में दिल्ली से रामेश्वरम (तमिलनाडु) की यात्रा, प्रेरणादायक हैं। इस दौरान अगर किसी को यात्रा बहुत थकाऊ लगती थी, तो ऊर्जा को फिर से जीवंत करने के लिए वे खाना पकाते व गाने गाते।

फौजा सिंह ने 89 साल की उम्र में गंभीरता से मैराथन में दौड़ना आरम्भ किया। उनसे आधी उम्र के लोगों की सांस फुला दे लेकिन ये एक ऐसे आदमी हैं जिनको दौड़ने का नशा है। यह फौजा सिंह हैं। थोड़ी देर के लिए विराम देने के बाद, उन्होंने वर्ष 1995 में फिर से दौड़ना शुरू किया और 89 साल की उम्र में इसे गंभीरता से लिया। उन्हें प्रसिद्धि तब मिली जब 93 साल की उम्र में उन्होंने 6 घंटे और 54 मिनट में 26.2 मील की दूरी पूरी की। क्या आदमी है!

सबसे अधिक धनवान वह है जिसके पास पवित्रता का ख़ज़ाना है।

राज कुमार वैश्य ने अर्थशास्त्र का अध्ययन करने और उसी पर बहस करने का फैसला किया, उन्होंने कानून में अपने स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के **78 साल बाद 97 साल की उम्र में, अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा दी** और 3 घंटे की परीक्षा में उन्होंने 23 उत्तर पुस्तिकाएँ लीं। हॉल में अधिकांश छात्र राज कुमार के पोते की उम्र के थे और उन्होंने प्रवेश के दौरान 'मदद' करने वालों से सहायता लेने से इंकार कर दिया। यह सब उन्होंने उनके अस्तित्व के 97 वें वर्ष में किया है।

दीपा मलिक ने जीवन के 40 के दशक में पैराओलिंपिक में रजत पदक जीता था। इनका 17 साल पहले स्पाइनल ट्यूमर के लिए ऑपरेशन किया गया था। दीपा मलिक कहती हैं कि उन्होंने देश के लिए जो रजत जीता और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला थीं, केवल इसलिए संभव हो पाया क्योंकि उन्होंने सपने देखने की हिम्मत की। उसकी 31 सर्जरी हो चुकी हैं, जो उसकी कमर और पैरों के बीच 183 टांके लगाने के बाद ठीक हो गईं। एथलेटिक्स में शिफ्ट होने से पहले, इस अभूतपूर्व महिला ने तैराकी के लिए कई राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पदक जीते थे।

डॉ. भगवती ओझा को 79 वर्ष की उम्र में खेल और साहसिक कार्य के लिए वृद्ध व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जहाँ हममें से अधिकांश लोग 79 साल में आराम कुर्सी पर बैठना चाहते हैं, वहीं भगवती ओझा अब भी हर तीन साल में एक नया शौक जोड़ती हैं। एक गरीब परिवार से आई इस महिला ने ऐसे समय में मेडिकल करियर अपनाया जिस दौरान उसकी कक्षा में कोई महिला नहीं थी। डॉ. भगवती ओझा को लगता है कि एक नया कौशल सीखना शुरू करने में कभी देर नहीं होती। यदि यह जीवन के लिए एक उत्साह नहीं है तो क्या है?

अभी **बोमन इरानी** का जन्म हुआ ही था कि उनके पिता की मृत्यु हो गई। आगे चलकर आर्थिक तंगी कुछ ऐसी आई कि बोमन ने अलग–अलग तरह के बहुत सारे काम किये। **लेकिन उन्हें असली सफलता लगभग 44 साल की उम्र में जा कर मिली।** बोमन इरानी पहली बार बालीवुड की फिल्म मुन्ना भाई MBBS में नजर आये। इस फिल्म में उनके द्वारा निभाये किरदार की लोगों ने खूब तारीफ़ की और बस यहीं से उनकी सफलता शुरू हो गयी और फिर आगे भी उन्होंने मै हूँ ना, लगे रहो मुन्ना भाई, खोसला का घोसला, नो एंट्री, डॉन, और PK जैसी बहुत सारी फिल्मों में काम किया और रूम सर्विसे, वेटर और छोटी सी बेकरी शॉप चलाने वाले इस शख्स को आज उनके एक्टिंग से सभी लोग जानते पहचानते हैं।

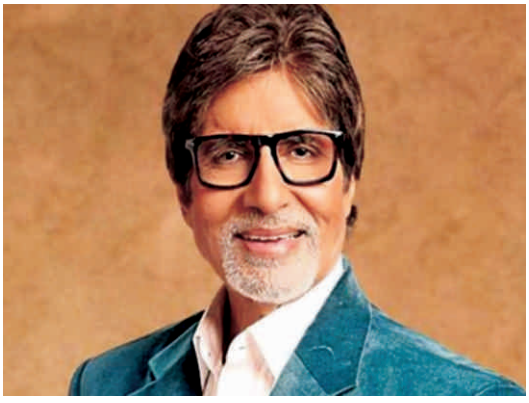

अमिताभ बच्चन (बॉलीवुड) : सदी के महानायक के अभिनय करियर की शुरूआत भी काफी संघर्षपूर्ण रही। आल इंडिया रेडियो से रिजेक्ट होना, लम्बी हाइट की वजह से रोल न मिलना, अच्छे रोल न मिलना जैसी समस्या ने उन्हें लम्बे समय तक सफलता से दूर रखा। 27 साल की उम्र में जब वो हिम्मत हार कर अभिनय क्षेत्र छोड़ने ही वाले थे कि उन्हें सात हिन्दुस्तानी फिल्म में एक रोल मिला। फिल्म फ्लॉप रही और अमिताभ का संघर्ष चलता रहा। 29 वर्ष की उम्र में राजेश खन्ना के साथ फिल्म आनंद आई। फिल्म पसंद की गयी और अमिताभ को फिल्म जगत के लोग पहचानने लगे। **31 वर्ष की उम्र में प्रकाश मेहरा की फिल्म जंजीर ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया और आखिर उनके जीवन में सफलता और शोहरत का दौर शुरू हुआ।** अमिताभ अपने पिता की एक बात अकसर बोलते हैं कि मन का हो तो अच्छा और मन का न हो तो और भी अच्छा। मतलब अगर आपके मन का नहीं भी हो रहा तो घबराइए नहीं, परमपिता ने अवश्य ही आपके लिए कुछ अच्छा सोच रखा है।

कर्नल सैंडर्स (केएफसी) : कर्नल सैंडर्स ने भी अपने जीवन के शुरूआती वर्षों में कई तरह कीं नौकरियाँ की। जैसे कि स्टीम इंजन वर्कर, इंश्योरेंस पालिसी सेल्समेन, पेट्रोल पंप वर्कर, कृषि कार्य, घोड़ागाड़ी की पुताईवाला, ट्राम रेल में कंडक्टर, आर्मी वर्कर, वर्कशॉप वर्कर, वकील, फेरी बोट कम्पनी शुरू की, लैंप बनाने की कम्पनी शुरू की, सेल्समेन, मोटेल खोला, कैफेटेरिया चलाया आदि। **65 वर्ष की उम्र में कर्नल सैंडर्स ने KFC – कंटुकी फ्राइड चिकेन रेस्टोरेंट चेन शुरू की।** 1009 घरों में दरवाज़ा खटखटाने के बाद उनकी पहली रेसिपी बिकी थी। आज दुनिया भर में 20,000 से अधिक केएफसी फास्टफूड स्टोर्स हैं।

रे क्रोक (मैकडोनाल्ड) : रे क्रोक ने मल्टी बिलियन डॉलर बिज़नस मॉडल McDonald's की शुरुआत करने से पहले कई तरह की नौकरियाँ कीं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान गलत उम्र बताकर रे क्रोक केवल 15 वर्ष की उम्र में रेड क्रॉस एम्बुलेंस ड्राइवर बन गये। ये उनकी पहली नौकरी थी। इसके बाद 52 साल की उम्र तक रे क्रोक ने कई तरह की नौकरियाँ कीं। जैसे कि पेपर कप बेचना, रियल एस्टेट एजेंट का कार्य, म्यूजिक बैंड में पियानो बजाना, मिल्क शेक मिक्सर बेचना आदि। **52 वर्ष की उम्र में Ray Kroc ने रिचर्ड और मौरिस मैकडोनाल्ड के साथ मिलकर मैकडोनाल्ड फास्टफूड चेन बिज़नस की शुरूआत की** और बाद में ओनर बन गये। मैकडोनाल्ड बिज़नस की वैल्यू अरबों डॉलर में है।

जे. के. रोलिंग (हैरी पॉटर बुक्स) : 30 वर्ष की उम्र तक जे. के. रोलिंग का जीवन कई उथल-पुथल और निराशा से भरा हुआ था। उनकी माँ की मृत्यु, असफल शादी, घरेलू हिंसा, गर्भपात, तलाक की वजह से वे बुरी तरह टूट चुकी थीं और गहरे डिप्रेशन, गरीबी और आत्महत्या के विचारों से जूझ रही थीं। इस सबके बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की खातिर खुद को सम्हाला और परिस्थितियों का मुकाबला किया। हैरी पॉटर किताब और फिल्म की सफलता से 6500 करोड़ की कमाई करने वाली दुनिया के सबसे अमीर लेखकों में एक J K Rowling ने युवावस्था के अंत में पहली बार Succcess का स्वाद चखा। 31वर्ष की उम्र में उनकी पहली किताब छपी और आने वाले वर्षों में बाकी 6 किताबें और 8 फिल्में आईं।

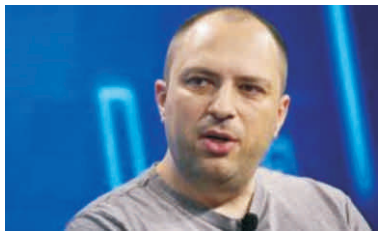

जेन कुम (व्हाट्सएप्प) : ये एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। टैलेंटेड होने के बावजूद उन्हें फेसबुक और ट्विटर के इंटरव्यू में निराशा हाथ लगी। **35 साल की उम्र में उन्होंने Whatsapp पर काम करना शुरू किया।** फेसबुक ने Jan Koum से WhatsApp खरीदने के लिए 19 बिलियन डॉलर (करीब 1,23,000 करोड़) रुपये की धनराशि अदा की है। जिससे आज जेन कुम एक मल्टी–बिलेनियर हैं।

जिमी वेल्स (विकिपीडिया) : जिमी वेल्स ने फाइनेंस में मास्टर्स की शिक्षा प्राप्त की और फिर वर्षों तक फाइनेंस के क्षेत्र में काम किया। **साल 2001 में 35 वर्ष के जिमी वेल्स ने विकिपीडिया वेबसाइट की शुरूआत की।** आज यह ऑनलाइन फ्री इनसाइक्लोपीडिया दुनिया की 5वीं सबसे ज्यादा देखी जाने वाली वेबसाइट है। लाखों–करोड़ों लोग किसी भी विषय की जानकारी पाने के लिए विकिपीडिया पर ही आते हैं। इस वेबसाइट की असीमित पहुँच की वजह से वैल्यू का ठीक ठीक अंदाजा लगाना तो मुश्किल है, लेकिन यह सम्भवतः हजारों करोड़ डॉलर में है।

जब 60 की उम्र में सुहासिनी मुले ने की शादी

बहुत सुना होगा कि ढलती उम्र में प्यार कम हो जाता है। लेकिन एक ऐसी शख्स जिसने प्यार की परिभाषा को बदला। कहते हैं प्यार की कोई उम्र नहीं होती। हालांकि यह सब टीवी सीरियल और फिल्मों में ही देखने को मिलता है, लेकिन 66 साल की मराठी अभिनेत्री सुहासिनी मूले ने इसे अपनी असल जिंदगी में भी साबित कर दिखाया है। उन्हें 60 साल की उम्र में फेसबुक के जरिए अपनी जीवन साथी मिला और उन्होंने बिना हिचक उनके साथ सात फेरे भी लिए। 2011 में सुहासिनी ने 60 साल की उम्र में 65 साल के भौतिक वैज्ञानिक अतुल गुर्टु से शादी की और वह इस साल अपना 6वां करवाचौथ मनाएंगी। सुहासिनी बॉलीवुड और टीवी में काम करती हैं और समय नहीं मिलने के कारण उन्होंने शादी नहीं की। सुहासिनी ने 'जोधा अकबर' और 'दिल चाहता है' जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया है। उन्हें 1999 में फिल्म 'हू तू तू' के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

काम महाशत्रु है इस पर जीत पाने से ही जगतजीत बनेंगे।

ढलती उम्र के लोगों हेतु ज़रूरी बातें

समयबद्ध डॉक्टरी जाँच आवश्यक

पौष्टिक खान-पान हो

नियमित ध्यान व्यायाम करें

सुबह की सैर अति सेहतमंद

पर्याप्त नींद लेवें

विशेषज्ञों के अनुसार अगर व्यक्ति का खानपान, फिटनेस और लाइफस्टाइल ठीक है तो वो 60 साल की उम्र में भी युवा की तरह अपनी जिंदगी जी सकता है। 40 की उम्र के बाद कुछ बीमारियाँ और शारीरिक समस्याएँ बहुत आम हो जाती हैं। जैसे- जोड़ों का दर्द, ब्लडप्रेशर, शुगर, डायबिटीज, पाचन क्रिया में गड़बड़ी, सिर में दर्द, कमजोरी और कमर दर्द हैं। ना सिर्फ ये, बल्कि इनके अलावा और भी बहुत सी बीमारियाँ हैं जो 40 पार की उम्र के लोगों को जल्दी घेरती हैं। वैसे तो हर किसी को अपना ध्यान रखना चाहिए लेकिन औरतों को इस उम्र में अपना ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत होती है। आज हम आपको ऐसी ही कुछ बातें बता रहे हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वो बातें -

समय–समय पर अपना डॉक्टरी चेकअप करवाते रहें। कई लोग बिजी होने के चलते इसे इग्नोर करते हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। 40 की उम्र के बाद रेगुलर चैकअप जरूर करवाएँ। ताकि आपको पता चलता रहे कि आपके शरीर की क्या स्थिति है। साथ ही आपको पता रहेगा कि अगर आपका शरीर किसी बीमारी की गिरफ्त में है तो आप उसका समय रहते इलाज करा सकें।

40 पार की उम्र में आपको अपने खानपान पर भी बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। शरीर में हॉर्मोंस काफी बदल जाते हैं। साथ ही पाचन क्रिया भी उतनी दुरूस्त नहीं रहती है। जीभ के लालच में आकर अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ना करें। जो भी खाएँ सोच समझकर खाएँ।

अगर आप फिट रहने के लिए कुछ ज्यादा ही उत्सुक रहते हैं तो किसी ट्रेनर की सलाह पर ही एक्सरसाइज करें। इस उम्र में अपनी मर्जी से कोई भी एक्सरसाइज शुरू न करें। किसी फिटनेस ट्रेनर या एक्सपर्ट की सलाह से ही एक्सरसाइज और योग करें।

सुबह की सैर वैसे तो हर किसी की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है, लेकिन 40 साल के बाद के लोगों को इसकी ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए रोजाना कम से कम 20 मिनट सैर जरूर करें। इससे कई बीमारियाँ दूर रहती हैं और चेहरे पर चमक भी बरकरार रहती है।

भागदौड़ और तनाव के चलते आजकल लोगों में नींद का अभाव होना भी आम बात हो गई है। दिन में करीब 8 घंटे की नींद जरूर लें। नींद पूरी न होने से भी सेहत को नुकसान हो सकता हैं।

नवीन आंगतुक : श्रीमती कृष्णा चौधरी

श्रीमती कृष्णा चौधरी (बाएं) – अपनी एक साथी के साथ

श्रीमती कृष्णा चौधरी जी के पति को नौकरी से रिटायर होने के कुछ समय बाद लकवा मार गया और हाथ पैर काम करना बन्द हो गए। परेशान होकर उन्होंने परिवार को समझाया कि वह अब उन लोगों के किसी काम के नहीं है सो सब सांसारिक मोह छोड़कर एक संयासी बनने में ही उनकी भलाई है। इसके पश्चात वह महाराज बन घर छोड़ कर आश्रम को चले गए। श्रीमती चौधरी की दो बेटियाँ हैं और वे जब काम पर चली जाती थी तो ये नितांत अकेली महसूस करती थी और दिन भर टी.वी. देखती रहती थी। लेकिन टी.वी. देखने का भी एक फायदा हुआ, एक दिन तारा संस्थान का आनन्द वृद्धाश्रम पर कार्यक्रम देखने का संयोग मिला जिस पर कल्पना दीदी वृद्धाश्रम की सुविधाओं के बारे में बात कर रही थी कि यहाँ सब कुछ घर से भी बेहतर है और जो वृद्ध अकेले हैं उनका यहाँ पर स्वागत है आदि आदि। यह सब देख सुनकर कृष्णा जी ने अपनी बेटियों से बात की कि तुम सब लोग तो आगे पीछे ससुराल चले जाओगे फिर मैं अकेली रह जाऊंगी। मकान भी किराए का है वो कहाँ से चुकाऊंगी फिर इस उम्र में अकेलापन काटने को दौड़ता है सो क्यों न मैं आनन्द वृद्धाश्रम चली जाऊँ? मैंने टी.वी. पर सुना देखा है कि वहाँ कि व्यवस्थाएँ बहुत अच्छी हैं। इसके पश्चात् कृष्णा जी नागपुर से उदयपुर के लिए निकल पड़ी। हालांकि मन में थोड़ा संशय व भय था कि क्या होगा, कैसा होगा? कभी अकेले घर से बाहर नहीं निकली, अनजान स्थान पर कैसे एडजस्ट करेगी आदि विचार चलने लगे। लेकिन आनन्द वृद्धाश्रम पहुँचने पर उन्हें बहुत सुकून मिला। यहाँ की व्यवस्था व लोग सब मिलनसार व भले लगे। फिर कृष्णा जी यहाँ ऐसी घुलमिल गई कि अब वापस जाने का बिलकुल मन नहीं होता। श्रीमती कृष्णा चौधरी आनन्द वृद्धाश्रम में रहकर बेहद खुश है एवं जीवन बड़े आराम से गुज़ार रही हैं।

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग) 01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

मस्ती की पाठशाला

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000/- प्रति वर्ष

अपकारी पर भी उपकार करना सीखो तो सत्कार मिलेगा।

तारा नेत्रालय :

तारा नेत्रालय - उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में न सिर्फ बुजुर्ग पुरूष-महिलाएँ मोतियाबिन्द जाँच व ऑपरेशन के लिए आते हैं बल्कि अनेक ऐसे केस भी आते हैं जिनमें छोटे बच्चे या युवा भी नेत्र समस्याएँ, यहाँ तक कि किसी न किसी कारणवश मोतियाबिन्द के रोग की चपेट में आ जाते हैं। बुजुर्गों के समान ही इस प्रकार के केसों की भी तारा नेत्रालय में जाँच व उपचार की संपूर्ण सुविधाएँ दी जाती है आइए जानते हैं ऐसे ही केस के बारे में :-

तारा नेत्रालय की बदौलत अब साफ देख सकती हूँ : देवली बाई

लगभग 22–23 वर्षीया देवली बाई एक आदिवासी ग्रामीण स्त्री है। इसे युवावस्था में ही मोतियाबिन्द की बीमारी हो गई थी और अब दाई आँख में तो बिल्कुल नहीं दिखाई दे रहा था जबकि अन्य आँख में धुंधला दिख रहा है। देवली बाई के पति को तारा नेत्रालय के बारे में जानकारी मिली तो वह देवली का यहाँ जाँच हेतु ले आए। तारा नेत्रालय के डॉक्टरों के अनुसार युवावस्था के भी कभी–कभी मोतियाबिन्द हो सकता है। देवली

बाई के मामले में गौरतलब है कि यह तीन बार माँ बन चुकी हैं परन्तु खान–पान पौष्टिक नहीं होने के कारण उसका शरीर कमजोर हो गया था जिसका असर उसकी आँखों पर भी पड़ा और दोनों आँखों में मोतियाबिन्द हो गया। अतएवं तारा नेत्रालय में देवली बाई को भर्ती करके उसकी एक आँख का ऑपरेशन तो तुरंत कर दिया। देवली बाई अब प्रसन्न है कि वह साफ देख सकती है एवं तारा संस्थान की शुक्रगुज़ार हैं।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन) 17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

तारा नेत्रालय की एक और यूनिट रतलाम (म.प्र.) में

क्लिनिक का फीता काटते हुए श्री मुखीजा (बाएं से दूसरे)

क्लिनिक की सुविधाओं का जायजा लेते

समारोह में मंचासीन अतिथिगण श्री ओ.सी. जैन (बाएँ से दूसरे) एवं श्री मुखीजा (बाएँ से चौथे)

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा प्रबंधित "**श्रीमती विमला मुखीजा चेरिटेबल नेत्र और जनरल क्लिनिक, रतलाम**" **का उद्घाटन:** 16 दिसंबर 2018 को, क्लिनिक गरीबों और जरूरतमंदों के लिए मुफ्त सेवाओं के लिए खोला गया था। उनकी पत्नी श्रीमती विमला के नाम पर इस क्लिनिक का उद्घाटन श्री एन. डी. मुखीजा (अधिवक्ता और परोपकारी, रतलाम) द्वारा किया गया था। विशिष्ट अतिथि (डॉ.) श्री ओ.सी. जैन (परोपकारी, रतलाम) अन्य अतिथियों के साथ उपस्थित थे।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल – उदयपुर

वार्षिकोत्सव - 2018

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल ने अपना वार्षिक उत्सव 22 दिसम्बर, 2018 को बड़े धूमधाम से मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव (उद्योगपति – समाजसेवी, दिल्ली व मुख्य संरक्षक – तारा संस्थान) अपने परिवार के सदस्यों **श्रीमती पुष्पा भार्गव (पत्नी), श्री राहुल भार्गव (पुत्र), श्रीमती नीता भार्गव (पुत्रवधू) तथा श्रीमती कल्पना अग्रवाल (पुत्री)** के साथ पधारे। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों अनेक रंग–बिरंगी प्रस्तुतियाँ जैसे गीत–संगीत, नृत्य व नाटिकाएँ प्रस्तुत की जिनमें इंडियन आर्मी, कलर फाईट, भांगड़ा, हॉरर शो आदि उल्लेखनीय थे। इस समारोह का अतिथियों, बच्चों के अभिभावकों व तारा परिवार ने खुलकर आनन्द लिया। तत्पश्चात् भार्गव परिवार ने प्रोत्साहन स्वरूप बच्चों को पारितोषिक वितरण किया।

भार्गव परिवार का समारोह स्थल पर स्वागत करते स्कूली बच्चे

एक रंग बिरंगी नृत्य–संगीत की प्रस्तुति देते बाल कलाकार

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल – उदयपुर

प्रदर्शनी एवं प्रस्तुतियाँ

दिनांक 23 दिसम्बर, 2018 को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई जिसको श्री भार्गव सा. सपरिवार देखने गए। तत्पश्चात् स्कूल बच्चों ने अनेक प्रस्तुतियाँ दीं जिनमें से कारगिल युद्ध का नाट्य रूपांतरण उल्लेखनीय था। भार्गव परिवार ने सभी प्रस्तुतियों का जमकर लुत्फ उठाया फिर उन्होंने बच्चों को स्वेटर व जूते आदि वितरित किए।

प्रदर्शनी में एक मॉडल को देखते भार्गव परिवार

कारगिल युद्ध का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत करते छात्रगण

स्वेटर एवं जूते वितरण करते भार्गव परिवार

गौरी योजना :

तारा संस्थान को अनेक धन्यवाद : श्रीमती भगवती मेनारिया

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

35 वर्षीया श्रीमती भगवती मेनारिया के पति की टी.बी. से मृत्यु जुलाई, 2017 में हो गई। वह एक केजुअल ड्राइवर थे जो कि नशे के आदी थे एवं भगवती को घर खर्च के लिए नहीं के बराबर पैसे देते थे। लेकिन उसकी मृत्यु के बाद तो भगवती बाई से उसके स्वयं के ससुराल वाले मकान किराया वसूलते हैं जबकि भगवती को कोई अन्य सहारा नहीं है। अब वह किराया चुकाए, 2 बच्चियों की स्कूल की फीस भरे या घर का चूल्हा जलाए? यह सब करे तो करे कैसे? इधर–उधर घरों में काम करके बमुश्किल गुज़ारा चला पा रही हैं। कई बार जीवन की परेशानियों के चलते इस जिन्दगी को समाप्त ही कर डालने की सोचती है फिर यकायक अपनी दो बच्चियों का ख्याल आ जाता है तो ठिठक जाती है। ऐसी स्थिति में तारा संस्थान ने 1000 रु. मासिक की सहायता देकर भगवती बाई को कुछ सहारा तो दिया है। वह संस्थान को अनेक धन्यवाद देती हैं।

तृप्ति योजना :

मेरा आशीर्वाद आपके साथ : श्रीमती दुर्गा देवी

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

2 बेटे और 2 बेटियों की वृद्धा माँ श्रीमती दुर्गा देवी के पति को कैंसर हो गया था। 1–2 साल इलाज चला स्वयं दुर्गा एवं उसके बेटों ने अपनी बचत का पैसा लगाकर दवाइयों आदि पर खर्चा किया परन्तु वह चल बसे। अब दुर्गा अपने दो बेटों के साथ रहती है और तीनों मजदूरी आदि छोटे–मोटे काम करके गुजारा चलाती हैं लेकिन अकसर तंगी में ही रहती हैं। दुर्गा देवी स्वयं काम करके अपनी छोटी–बेटी को मदद करती है क्योंकि उसे उसके पति ने घर से निकाल दिया है एवं उसके ऊपर तीन बच्चों का बोझ है। ऐसी स्थिति में तारा संस्थान का मासिक राशन एवं 300 रु. नकद भी काफी कुछ राहत देता है। दुर्गा देवी तारा संस्थान को धन्यवाद एवं ढेरों आशीर्वाद देती हैं।

सदा खुशी में उड़ते रहो और सभी को उड़ाते चलो।

न्यूज ब्रीफ :

01.12.2018

मारुति ट्रस्ट, यू. के. का निः शुल्क नेत्र जाँच और मोतियाबिंद चयन शिविर : गाँव मेनार, जिला उदयपुर में आयोजित इस शिविर में ट्रस्ट के श्री बच्चू भाई कोटेचा और सुश्री रंजन बेन के साथ–साथ बच्चू भाई की बेटी और दामाद भी उपस्थित थे।

15.12.2018

आर्ट ऑफ़ लिविंग तथा रमेश और शारदा फाउण्डेशन / अहा ज़िंदगी! के सदस्यों ने आनंद वृद्धाश्रम वासियों हेतु ध्यान क्रिया व अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जिनमें लोगों ने सोत्साह भाग लिया।

25.12.2018

आनंद वृद्धाश्रम में क्रिसमस समारोह : इस मौके पर, फ्रेंड्स फॉरएवर क्लब के सदस्य वृद्धाश्रम में आए और उत्सव को बहुत जोश के साथ मनाया।

26.12.2018

पिकनिक पर आनंद वृद्धाश्रम और मस्ती की पाठशाला : बच्चे और बूढ़े दोनों ने 26 दिसंबर 2018 को उदयपुर के दुध तलाई स्थित वर्मा गार्डन में कुनकुनी धूप में पिकनिक का आनंद लिया।

31.12.2018

श्री ओ.सी. जैन सा. द्वारा भव्य एकादशान्हिका एवं स्वामीवात्सल्य आयोजन :

तारा संस्थान के भामाशाह रतलाम के सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री ओ.सी. जैन सा. द्वारा अपनी (स्व.) धर्मपत्नी करुणामूर्ति निर्मला जी स्मृति महोत्सव का आयोजन दिनांक 21 से 31 दिसम्बर, 2018 को रखा गया। इस एकादशान्हिका एवं स्वामी–वात्सल्य अनुष्ठान महोत्सव में बड़ी संख्या में जैन समाज व अनेक गण्यमाण्य जन शामिल हुए। तारा परिवार, उदयपुर प्रबंधन भी इस समारोह में उपस्थित होकर उन्हें सम्मान पत्र भेंट किया।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer

ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. **2,00,000/-**

(दो लाख रुपये)

Ophthalmic Refraction Unit

ओफ्थाल्मिक रिफ्रक्शन यूनिट

इस यूनिट के चेयर पर बैठाकर मरीजों की आँखों की जाँच व चश्मे के नम्बर निकाले जाते हैं।

कीमत रु. **1,17,600/-**

(एक लाख सत्रह हजार छः सौ रुपये)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.

09 ऑपरेशन - 27000 रु.

06 ऑपेरशन - 18000 रु.

03 ऑपरेशन - 9000 रु.

01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

विशेष शिविर :

3 दिसम्बर को श्री विनीत जैन, दिल्ली

8 दिसम्बर को द पोंटी चड्ढा फाउण्डेशन

स्वयं को पावरफुल बनाने के लिए परमात्मा को देखो।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह दिसम्बर – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री राधेश्याम शर्मा – नई दिल्ली, वेंकटेश कलेक्शन – सायन कोलीवाड़ा,
श्री बालाजी टेन्ट हाउस (प्रो. परमेश्वर लाल जांगीड़) – सीकर (राज.), कपूर एवं चौहान परिवार – इन्दौर (म.प्र.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्रीमती सावित्री देवी जैन एवं सपरिवार – गन्नौर (हरि.), श्री विनीत जैन – दिल्ली,
श्रीमती सुषमा – श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, श्री हरदेव सिंह – दिल्ली, राठी परिवार – नजफगढ़, नई दिल्ली – 43,
श्री रमेश अग्रवाल एवं सपरिवार – विनोद नगर, दिल्ली – 91, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब, – दिल्ली,
श्री संजय अग्रवाल (सिंघल ग्रुप ऑफ कम्पनीज) – रायपुर (छ.ग.), श्रीमती इच्छा बिन्दू सेवा केन्द्र – विर्ले पाले (मुंबई)
एवं पद्मावती चैरिटेबल ट्रस्ट – भावनगर एवं जे.एस.जी.आई.एफ. – मुंबई
समस्त अजमेर वासी – अजमेर (राज.), श्री कांतिलाल जे. मोदी – मुंबई, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली,

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सम्राट पृथ्वी राज चौहान डिग्री कॉलेज, नियर महिला थाना, बागपत (उ.प्र.)
सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 20 शिविर (देशभर में)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Bakul - Mrs. Parul, Miss. Pooja & Miss. Radha Shrimankar, Nagpur (MH)

Mr. Kasturchand & Mrs. Dhapu Bai Jain (Dotra Vale), Ramganj Mandi, Kota (Raj.)

Mr. Ravinder - Mrs. Sulochana Kangra (H.P.)

Mrs. & Mr. Mukesh Maheshwari Indore (M.P.)

Mr. Dhan Mohan - Mrs. Kamal Kasliwal Jaipur (Raj.)

Mr. Gauri Shankar - Mrs. Premila Varshney Etah (U.P.)

Mr. Kamlesh Chandra - Mrs. Shreshtra Kangra (H.P.)

Mr. Vipan - Mrs. Suresh Lata Awasthi Palampur (H.P.)

Mrs. Janak Dulari - Mr. Banne Singh Gram Kirti Nagla, Samleti, Mahwa, Dausa

Mr. B.G. - Mrs. Kusum Gupta Ujjain (M.P.)

Mr. Chandra Shekar, Samanyu, Namish Vyas, Vivan & Prathit Sharma, Dharamshala (H.P.)

Mr. Narpat Chand - Mrs. Leela Jain Hyderabad

Mr. Sanvarmal - Mrs. Geeta Devi Agrawal Bodhan, Neejamabad (Telangana)

Mr. Vinod Kumar Jain Bundi (Raj.)

Mrs. Kanak Devi Luhadia Jaipur (Raj.)

Mrs. Savita Prem Arya Delhi

Miss. Shilpa Bhagat Sonipat (HR)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती एवं श्री गुलाब चन्द शर्मा
जयपुर (राज.)

श्रीमती एवं श्री जे.के. शास्त्रि
जबलपुर (म.प्र.)

श्री जा सेवा सस्थान (राज.)
दिल्ली

श्री राम खण्डेलवाल
कोटा (राज.)

श्रीमती एवं श्री नरेश मुर्ति
पटना (बिहार)

श्री शिवप्रकाश अग्रवाल
हैदराबाद

श्रीमती उर्मिला चौबीसा
जयपुर (राज.)

श्रीमती पुष्पा जैन
जबलपुर (म.प्र.)

श्रीमती कनक देवी लुहाड़िया
जयपुर (राज.)

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर के कुछ प्रसन्न निवासी

अनुशासन कायम करने के लिए स्वयं को अनु (छोटा) समझो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855752

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965. . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank. . . . . A/c No. 912010025408491. . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank. . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967 . . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank. . . . . A/c No. 065194600000284. . . . IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जनवरी - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रात: 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

Tara
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org